an>

Title: Need to provide 20 percent reservation to poor students in private schools and educational institutions.

श्री राजेश रंजन (मधेपुरा) : सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए मैं आपका आभार प्रकट करता हूं। देश के सबसे संवेदनशील और गंभीर मुद्दों को ले करके मैं इस देश की सरकार के समक्ष और देश के 120 करोड़ लोगों के समक्ष खड़ा हूं। सुप्रीम कोर्ट और भारत सरकार के आदेश लगातार निजी संस्थाओं के द्वारा, जो निजी स्कूल एवं विद्यालय हैं, लगातार सुप्रीम कोर्ट और भारत सरकार ने एक प्रावधान दिया कि जो निजी स्कूल एवं संस्थान हैं, उनमें बीस प्रतिशत गरीब किसान के बच्चे, गरीब छात्र, मेघावी छात्रों का नामांकन लिया जाए। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के बार-बार आदेश के बावजूद और भारत सरकार के आदेश के बावजूद भी आज तक बीस प्रतिशत गरीब छात्रों का नामांकन नहीं लिया जाता है। यदि जबरदस्ती जहां पर लिया भी जाता है, उनको केवल कागज में दिखा दिया जाता है, उनका नामांकन नहीं होता। उसकी कोई जांच नहीं होती। उससे भी गंभीर सवाल यह है कि निजी संस्थान और निजी स्कूलों की जो फीस है, वह इस कद्र है कि इस देश के जो 92 प्रतिशत आम लोग हैं, जो गरीब किसान और मजदूर के बच्चे हैं, वे कभी भी अच्छे स्कूल में, निजी स्कूल में नहीं पढ़ सकते हैं।

सभापति महोदय, मेरा आपके माध्यम से इस सरकार से आग्रह है, ये कहते हैं कि श्रेष्ठ भारत बनाना है, शिक्षित भारत बनाना है और इस देश के लोकतंत्र को मजबूत करना है। मैं आग्रह करना चाहूंगा कि इस देश में जितने भी तकनीकी संस्थान या निजी स्कूल हैं, उस स्कूल की फीस को कैसे कंट्रोल किया जाए, जो अत्यधिक रूप से गरीबों से ली जाती है। इस कारण से गरीब और मेघावी छात्र इन स्कूलों में नहीं पढ़ पाते। सरकारी स्कूलों में पढ़ाई की व्यवस्था सही नहीं है। हमारा जो मानव संसाधन मंत्रालय है, ये कैसे इसकी रोकथाम करेगी? सुप्रीम कोर्ट और भारत सरकार के आदेश को कैसे बीस प्रतिशत छात्रों को लागू करेगी, बीस प्रतिशत गरीब छात्र, किसान के बच्चे, मजदूर के बच्चे कैसे पढ़ेंगे? इसके लिए कोई कठोर कानून ला करके सरकार, इन दोनों मुद्दों पर, शिक्षण संस्थान मेघावी छात्रों की फीस कम करे, गरीबों की फीस कम करे। इसके साथ-साथ बीस प्रतिशत बच्चों का नामांकन ले, यह मैं आपके माध्यम से सरकार को आग्रह करूंगा, इस पर कोई नया कठोर कानून लाए।

HON. CHAIRPERSON : The House stands adjourned to meet on Monday, the 1st December 2014 at 11 a.m.

18.12 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on Monday, December 1, 2014/Agrahayana 10,1936 (Saka).

---

* [illegible]

* ग़्द्दद्य् ढ्ड्ढह्द्ढ्ड्ड्ड्ढ्ड्ड.

* Eदथ्त्द्ध्र्ण् य्द्वड्ढदथ्ड्डय्त्द्दद द्द ण्ड्ढ च्द्रड्ढड्ढहृण् द्द्वश्त्दड्डथ्न्र् ड्डड्ड्ढथ्त्ध्ड्ढद्वड्ढड्ड त्द ड्ढत्र्थ्.

* ज्दय्ड्ढड्ड ण्द्बद्द्वश्ण् म्थ्त्द्र.

* ज्दय्ड्ढड्ड ण्द्बद्द्वश्ण् म्थ्त्द्र.

* ज्दय्ड्ढड्ड ण्द्बद्द्वश्ण् म्थ्त्द्र.

* ज्दय्ड्ढड्ड ण्द्बद्द्वश्ण् म्थ्त्द्र.

* ज्दय्ड्ढड्ड ण्द्बद्द्वश्ण् म्थ्त्द्र.

|| ॡद्बद्बड्ढहय्ड्ढड्ड ण्द्बद्द्वश्ण् म्थ्त्द्र ढद्द्ब ग़्दड्ढम्.

* ॡद्बद्बड्ढहय्ड्ढड्ड ण्द्बद्द्वश्ण् म्थ्त्द्र ढद्द्ब ग़्दड्ढम्.

|| ज्दय्ड्ढड्ड ण्द्बद्द्वश्ण् म्थ्त्द्र.

* ज्दय्ड्ढड्ड ण्द्बद्द्वश्ण् म्थ्त्द्र.

* ण्ड्ढ ढद्दथ्थ्द्दर्त्दश्र् ग्ड्ढश्ड्ड्ढद्बम् ङ्घ्द्द द्बड्ढहद्दद्बड्ड्ड्ढड्ड/हद्दद्बद्बड्ढहय्ड्ढड्ड ण्ड्ढत्द्ब ध्दय्ड्ढम् ण्द्बद्द्वश्ण् म्थ्त्द्रम्.

एड्ढम् ः 010 अ ण्द्बङ्क्षद्य्त् ख्ठ्ठध्द्य्ण्ङ्क ख्ठ्ठध्ङ्कत्द्वदथ्ङ्क, ण्द्बङ्क्षद्य्त् एद्रङ्कद्बद्वद्रङ्क घ्दड्डड्डङ्कद्ब, ण्द्बङ्क्षद्य्त् घ्द्बङ्कय्थ्ङ्क ग्ददड्डङ्कथ्, च्/ण्द्बत् ग्दण्ङ्कङ्क्षड्ड च्ङ्कथ्थ्, च्ङ्कदत्ङ्कद्ब घ्द्बङ्कम्ङ्कड्ड Dङ्कय्ङ्क ङ्कदड्ड व्.ग्. ख्ङ्कङ्क्षड्डड्ढध्ङ्कद -(र्त्दद्वम्) च्/ण्द्बत् डङ्कत्द्वङ्क्षद्ब च्ङ्कत्दत् ङ्कदड्ड ङ. डङ्कड्डण्ङ्कत्द्बण्दङ्कद उ 14.

ग़्दड्ढम् ः 116 अ Dद्ब. ग्ङ्कण्ड्ढण्ण् ण्ङ्कद्बङ्क्ष, ण्द्बत् ख्.ग्. त्ड्डड्डड्ढम्ध्ङ्कद्बङ्क, घ्द्बद्दढ. च्ङ्कदङ्क्षद्ब Lङ्कथ् ख्ङ्कद्य्, च्/ण्द्बत् ग्दण्ङ्कदडण्ङ्कत् ख्ठ्ठङ्क्षदर्त्डण्ङ्कत् ख्द्वदड्डङ्कद्बङ्क्ष, त्द्बत्द्बङ्कत्र् च्त्दर्ण्, डङ्कय्ङ्कद Lङ्कथ् ख्ठ्ठय्ङ्कद्बत्ङ्क, डङ्कध्ड्ढड्ढद्ब च्त्दश्ण् (डङ्कदर्व ण्ङ्कङ्क), ज्त्दद्दड्ड Lङ्कत्थ्ङ्कम्ण्त् ण्ङ्कध्ड्डङ्क, डङ्कत्र् ख्द्वङ्क्षद्ब च्ङ्कत्दत्, Dङ्कड्डड्डङ्कद ग्ण्द्बङ्क, च्द्वण्द्बड्ढड्ढ छङ्क्ष ण्ङ्कद्बय्त्, Dद्ब. डङ्कड्ढण्ण् घ्दण्द्बङ्कथ् ग्ण्ङ्कदत्त्, च्/ण्द्बत् च्.च्. एथ्द्वङ्क्षत्ङ्क, त्द्बद्य्त् ज्ङ्कद्बड्डण्ङ्कद च्त्दर्ण्, ख्ङ्कड्ढङ्कश्डत्ङ्क घ्ङ्कथ्, ॡण्ड्ढड्डत् घ्ङ्कङ्कद, व्त्म्ण्दद्व घ्ङ्कड्डङ्क डङ्कन्र्, Dद्ब. व्ङ्कदम्ण्त्थ्ङ्कथ् ग्ङ्कण्ङ्कद्य्द्द, च्/ण्द्बत् ज्त्त्द्बङ्कथ्र् छम्ड्ढदड्डत्, ण्ङ्कदड्ड ग्ठ्ठय्ण्, च्द्वड्ढड्डण्ङ्कदङ्कदड्ड च्ङ्कद्बङ्कङ्कय्त्, ख्ठ्ठद्वण्ङ्कथ् ख्ण्द्दद्बड्ढ, डङ्कण्ङ्कध् Lङ्कण्ङ्कददङ्कथ्, ण्द्बङ्क्षद्य्त् डङ्कण्ङ्कय्ङ्कत् ण्ङ्कड्डम्ड्ढ, ण्द्बङ्क्षद्य्त् च्ङ्कददय्द्दण् एथ्ङ्कङ्क्षद्य्, Dद्ब. ख्.व्. घ्ङ्कय्ड्ढथ्, Dद्ब. ण्ङ्कत्द्बङ्कद्य्ण् घ्द्बङ्कम्ङ्कड्ड च्/ण्द्बत् एद्बदर्वद Lङ्कथ् ग्ड्ढड्ढदङ्क, च्र्ङ्कङ्क ण्ङ्कद्बङ्कद ख्द्वद्रय्ङ्क, घ्.घ्. ण्ङ्कद्वड्डण्ङ्कद्बन्र्, Dद्ब. च्ङ्कङ्क घ्ङ्कथ् च्त्दर्ण्, च्/ण्द्बत् त्द्बड्ढदड्डद्बङ्क ख्द्वङ्क्षद्ब ॡण्द्दद्वड्डण्ङ्कद्बन्र्, Dद्ब. एद्बद्वद ख्द्वङ्क्षद्ब, ण्द्बत् ग्द्य्ङ्कदङ्कदड्ड डङ्कत् ङ्कदड्ड ण्द्बत् ङ. डङ्कड्डण्ङ्कत्द्बण्दङ्कद 3151.

** ख्दय्द्बद्दड्डद्वहड्ढड्ड द्य्ण् ण्ड्ढ द्बड्ढहद्दड्ढदड्डङ्कय्त्द्दद्म् द्दढ ण्ड्ढ घ्द्बड्ढत्ड्डड्ढददय्.

* घ्द्वडथ्ण्ड्ढड्ड त्द ण्ड्ढ ख्ङ्कन्ड्ढय्ड्ढ द्दढ ख्दड्डत्ङ्क, Eय्द्बङ्कद्दद्बड्डत्दङ्कद्बन्र्, घ्ङ्कद्बद्य्-ख्र्, च्ड्ढहय्त्द्दद द्ध2, ड्डङ्कय्ड्ढड्ड 28.11.2014.

((ख्दय्द्बद्दड्डद्वहड्ढड्ड द्य्ण् ण्ड्ढ द्बड्ढहद्दड्ढदड्डङ्कय्त्द्दद्म् द्दढ ण्ड्ढ घ्द्बड्ढत्ड्डड्ढददय्.

* घ्द्वडथ्ण्ड्ढड्ड त्द ण्ड्ढ ख्ङ्कन्ड्ढय्ड्ढ द्दढ ख्दड्डत्ङ्क, Eय्द्बङ्कद्दद्बड्डत्दङ्कद्बन्र्, घ्ङ्कद्बद्य्-ख्र्, च्ड्ढहय्त्द्दद द्ध2, ड्डङ्कय्ड्ढड्ड 28.11.2014.

((ख्दय्द्बद्दड्डद्वहड्ढड्ड द्य्ण् ण्ड्ढ द्बड्ढहद्दड्ढदड्डङ्कय्त्द्दद्म् द्दढ ण्ड्ढ घ्द्बड्ढत्ड्डड्ढददय्.

* ग़्दद्य् द्बड्ढहद्दद्बड्डड्ढड्ड ङ्कम् द्दद्बड्डड्ढद्बड्ढड्ड डन्र् ण्ड्ढ ण्ङ्कत्द्ब.

* ग़्दद्य् द्बड्ढहद्दद्बड्डड्ढड्ड.